

दां.प्रकी.(जमा.) 4319/2004

07.12.2004

माननीय न्यायाधिपति श्री कृष्ण कुमार

प्रार्थी के अधिवक्ता श्री आर.एस.चौहान,
जन अभियोजक श्री अशोक उपाध्याय उपस्थित।

योग्य अभिभाषक अभियुक्त-प्रार्थी धुअल पुत्र नाथा की तरफ से बहस की गई है कि इस प्रकरण में सहअभियुक्त अब्दुला, खालिद, नरगिस व अन्य सहअभियुक्तगण की जमानत इस न्यायालय द्वारा ली गई है, इस अभियुक्त को कार्यवाही शिनाख्तगी में पहचाना नहीं गया है मात्र गांठो की बरामदगी बताई गई है। अब्दुला से भी गांठो की बरामदगी बताई गई है जिसकी जमानत इस न्यायालय द्वारा ली जा चुकी है। अतः इस अभियुक्त-प्रार्थी को भी जमानत पर रिहा करने की इस्तदुआ की गई।

योग्य जन अभियोजक ने प्रार्थना-पत्र पर एतराज किया।

मैंने दोनों पक्षों के तर्कों पर विचार किया। चूंकि सहअभियुक्तगण की जमानत इस न्यायालय द्वारा ली गई है, इस अभियुक्त का केस उनसे भिन्न नहीं है। अतः प्रकरण में आई परिस्थितियों को देखते हुए बिना गुणावगुण पर राय दिए, अभियुक्त-प्रार्थी को जमानत पर रिहा करने के मैं उचित आधार पाता हूं।

अतः यह प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाता है और आदेश दिया जाता है कि यदि प्रार्थी धुअल पुत्र नाथा योग्य विचारण न्यायालय के संतोषप्रद उनके न्यायालय में नियत

तिथियों पर एवं जब भी उसे बुलाया जावे, उपस्थिति हेतु, बीस हजार रूपए का बन्ध-पत्र एवं दस-दस हजार रूपए की दो प्रतिभूतियां प्रस्तुत करे तो उसे जमानत पर रिहा कर दिया जावे।

(न्यायाधिपति कृष्ण कुमार)

जी.एन.शर्मा